॰ ॐ [illegible] नमः श्री [illegible] ॥
अथ [illegible]
[illegible] नव [illegible]
[illegible] ॥ २ [illegible]
[illegible] नमः [illegible]

[illegible] ममहावुद्ध [illegible]

[illegible] वकीनिक्ष्म स्याहा [illegible]

[illegible] पापे [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] मयम [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ति॥ स्वा॥ हूं नमः नु उ विणि हूं च्छ हूं हि सि वा फि॥ ि नं ॥
नं व स नू हि ॐ चि भ न ॥ ॐ वू ॥ ॥ म्ह न मन द व ग ॥ स्मि न ॥ फ ॥ य क
भ सि कु स्वा॥ ॐ र स म हूं न थ ग ग ना भू धि नि कु स्वा॥ ॐ
॥ वि ॥ धनस्वाहा॥ ॐ चं हा ॥ वि म ल स्वाहा॥ ॐ व क ह ः
स्वाहा॥ ई वि घ्रा न स्वाहा ॥ हूं॥ ॐ म र्ङ न ष ग न स वं म हूं स्वाहा

स्वाहा॥

स्वा॥ ग स्त्र ह्ना न स्वाहा॥ नमः॥ ॐ ह्रीं ह म ख्य नर वन म
॥ ॐ हू सू क्ष्म न वृ नमः॥ ॐ वं वै वि द ह्ना य नमः॥ ॐ
२ वा द्वि पा य नमः॥ ॐ स्व भू य व स कू नी व नमः॥ हूं ॐ ह न
कू न नमः॥ ॐ य उ य द्री य य नमः॥ ॐ न उ द्री पा य न न ग
श्री ह ॥ ॥ य नमः॥ ॐ वि उ प द्री पान नमः॥ ॐ दे ह ग ॐ

म [illegible] नमो [illegible] विधन [illegible] ल्पनहा

य न [illegible] ॐ ह्रीं [illegible] नमो [illegible] नमः

के [illegible] नमो ॐ [illegible] नमो ॐ [illegible] निधन

नमो ॐ [illegible] नमो ॐ [illegible] नमो ॐ [illegible]

[illegible] नमो ॐ [illegible] पषा स्वाहा ॐ [illegible] स्वाहा ॥

[illegible] स्वाहा ॐ [illegible] ॐ [illegible] नमो [illegible]

[illegible] नमो [illegible] नमो [illegible]

[illegible] नमो [illegible]

[illegible] ॐ [illegible] ॥

ॐ [illegible] नमो [illegible]

ता म न कु वाय नमो हूं ॥ न मः क्रि कु नमो न वः अ हि ल्ला हि लो
नम स्वा हि ते नमो धूं ग्राम स्व मो यि लये मा द कि न लेकु नेग
ल त ल न ल ॐ ता य नि क न त्रु रु ना न्व का ना ॥ यं कु ह
वि न इ हि हा ॐ ना न म ४ ने ने न र कु गि ति य यं कु न ना ल्कु
नाया न मो व ह्मा व कु न व न धर्म य गा यि न ल न मं ते ला

सु म रु त त्रि ता र यि म म नं न त ॥ सर्व बु द्धं न म स्ता मि ये ः
म कु जि न ला बि ना सं घ व मा ल सं प र्व न ल त्र यं न मो कु न
रत्न त्रयं म न नं. सर्व प्र नि दि ना म्म धं ॥ ॐ न मः नं ङा गः
ल्लु न्यं. बु द्ध धां रे धे न र धे म न न ॥ ॐ धा रे धे न न मं या मि. बु द्ध ये
र्थे म न ल मं धा रे धे वि लकु गा म्म य म्ह य ना र्थ त्रि हि कु य ॥

उत्पादयामि वरबोधिचित्तं निमंत्रयामि जगत्सर्व्वान्
इष्टां चरिष्ये वरबोधिचारिकां बुद्धो भवेयं जगतो हि
ताय॥ कृत सर्व्वसत्त्व पापानां पुण्यानि बोधिलोन दीप नोदकं देवी
भवति श्यामि जु यां ... गन्धाय धीमन्यावा ... नमः ... नस्मर्ति
विस्तार भागमध्ये ... कृत्स्नाव ग्रसाव ... पुष्पको ... बन्धमध्य

वानदल सुयंदसव म्यं तथ नाम गुरुकोकिन ... जालि
इ ... लीलाधवलिवर ... नं पूर ... जायम ... नंते
ग ... तु नाय काधान ... मिदं नोथ ... सपूल मया॥
यथानन थग ग नां आ या अर्हं नां हिंस्य ... बुद्ध ... ध्वज ... नं
न बुद्ध वच्च ... जान ... यथा निः ... लंन ... जा ...

ग्रहिकार्यं यत्स्य सार्द्धं यलक्रम ययाध्वर्मनयार्सविधगं नक्तृ
गलमूलीनिस्थमनूत्कनायीतम्य क्कीश्चाच्छेनधार्दुपत्रिमामयो
मि॥ कथममनाने नममान कालं लाक स्य ३४ स्व व मृ ध्वादर्यं
त्वादन्तुं ष्ट्र कउ क्र सदाक्तु तकिमूमप्रकार्णं व य ध्येव ला
नाशाहव ग्रु भानस्म गिमा गमावाद्ध क्रक थाया गमृयाग

मावा॥ सर्व प्रकारानेऊ गमाहिनायक यीतस्थ ऊ ह तत्स्व संगि
नाया॥ ओं ह्रिं आवमनयं क्रमने प्रति ट्ठं स्वाहा ४॥ ओंख हाव
गुध्य सर्वं धं मानीहानव ऊ ख्वरालक्ष्याद्दं वाहं ४॥ ऊ धर्म्मा
दउप्रलावा क्क व स ध्व यालिव्रू ध च व वादि महातन
मनं॥ ओं ह्रुं ल्राय स्वाहा॥ ओं ऊमाय स्वा॥ ओं वन्हाय स्वा॥

ला॥ ॐ कुबेराय स्वाहा॥ ॐ अग्नये स्वाहा॥ ॐ नैरृत्यै स्वा
हा॥ ॐ वायवे स्वाहा॥ ॐ ईशानाय स्वाहा॥ ॐ ब्रह्म
णे स्वाहा॥ ॐ सूर्याय ग्रहाधिपतये स्वाहा॥ ॐ चन्द्र नक्षत्रा
धिपतये स्वाहा॥ ॐ पृथिव्यै स्वाहा॥ ॐ नागेभ्यः स्वाहा॥
ॐ अनन्ताय स्वाहा॥ ॐ सर्वदेवादिग्लोकपालेभ्य स्वाहा

दनीं ह्रीं हुं॥ हूं ग्रां गुं वजीसहदेवपंधेत्रिमन्तुगजन्तुदः
लिविलिमऋटुजभानिघमिरूयतिघः आयाधगिवायः
धुनाधिपध्वः। हूं स्मानरहुमाधिपगितिरन्दवाडुदुंधुंधवडो
क्रू यिनामहध्वाऽदेवातमस्तानुविधिवनाम्भधनाधवना
नुद गन्वेतमभ्रा प्रविप्रतिल्यकनिवेदयनुम्नकल्कल

स्येवदिशमहसहनागमकनुमहासमगलेसमनास

मत्रदानसमगमोगसन्याय। पश्रीवलिघूर्पेविनपैनव

गकनुमनु ॐ नुपीवनुचं दं ॐ दंवकमसहलीहु

घनु। ॐ मृतकुण्डलि वलि ॐ आः हूं फट् स्वाहा। ॐ

नमो रत्नत्रयाय। ॐ नमश्चण्डवज्रपाणये। ॐ नमो मह

वज्रक्रोधाय महाप्रचण्डाद्धदन्तनवाय। असिमख्वन

पलशपाशगहीतहस्ताय। ॐ अमृतकुण्डलि वज्रख

ख्वाहि ख्वाहि तिष्ठ तिष्ठ बन्ध बन्ध हन हन दह द

ह पच पच गर्ज गर्ज विस्फोटय विस्फोटय सर्ववि

घ्नविनायकानां महागणपतिजीवितान्तकानाय

हूँ हूँ फ्रू द्रू फ्रू फ् स्वाहा ॥ बलि सर्पिवपहान पूजा ॥ दंड

पूजा ॥ धाया ॥ जेष्ठ ॐ वा ॥ तत्काल ॥ मन्त्र सर्व धूमा ॥ लौं माग

न त्यैन्द्र दत्वा ॐ आः हूँ फ्रू द्रू स्वाहा ॥ न त्वौं श्री वज्र वाना हि

मन्कमूर्त्ति दिनश्च पवित्र ह्ल पावन दा तिनै सिद्धि सि

धि वल पदा वा य पनिश्च महाहूं नैश्च हें स्वल नमा

क्रुद्ध ॥ ॐ वज्रसत्व समय मनुपालय वज्रसत्व त्वेनो

बि पतिष्ठ दृढो मे भव सुतोष्यो मे भव सुपोष्यो मे भव अ

नुरक्तो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु च मे चि

त्तं श्रेयः कुरु हूँ ह ह ह ह होः भगवन् सर्वतथागत वज्र मा

मे मुञ्च वज्री भव महासमयसत्व आः ॥ ६ ॐ ७ ॥
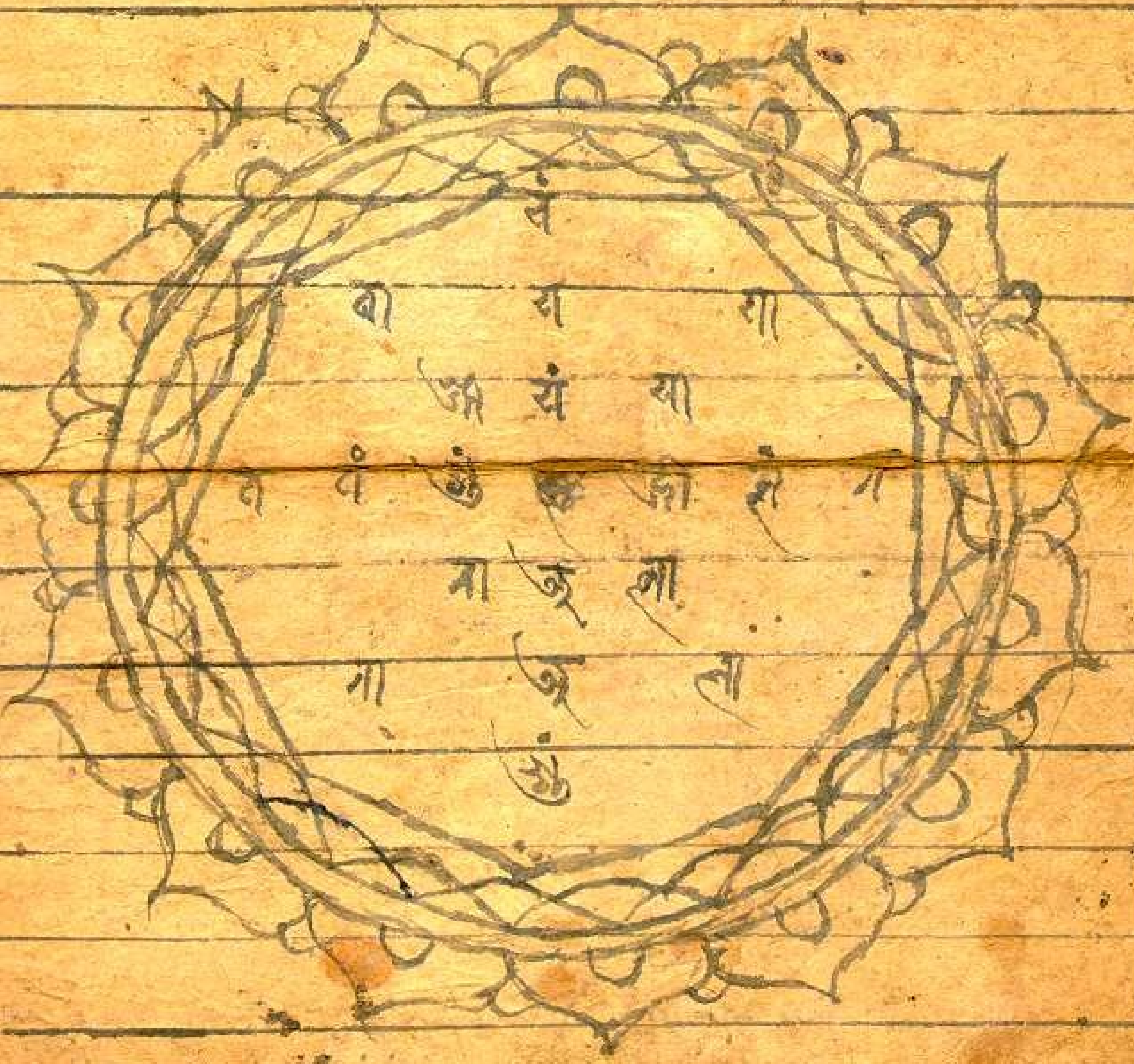
वज्रमङ्गलमू ॥ इति गुरुमण्डल समाप्त ॥ [illegible] ॥ शुभ ॥